



REVIEW OF THE PERFORMANCE OF THE CENTRE FOR RAILWAY INFORMATION SYSTEMS (CRIS) BY THE MINISTRY OF RAILWAYS FOR THE YEAR 2012-13

2012-13
 (KOTLA JAYA SURYA PRAKASH REDDY,
 रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री
 Minister of State in the
 Ministry of Railways)

The Centre for Railway Information Systems (CRIS) was constituted by the Ministry of Railways on 01.07.1986 as an autonomous body for computerization activities on Indian Railways. The main objective of the centre are :

- To undertake design, development and implementation of a computer based Freight Operations Information System (FOIS) for Indian Railways, its associated communication network and associated products.
- To set up and provide technical support and other services including setting up and maintenance of infrastructure to operate Information technology based systems for the Indian Railways.
- To provide consultancy and contract services to other organization in the area of Information Technology.

CRIS handles a number of important projects in various areas of Railway business such as:

1. Freight Operations Information System (FOIS): This project has been divided into two modules, the Rake Management System (RMS) and the Terminal Management System (TMS). RMS achieves monitoring of freight trains and their operation related matters while TMS achieves calculation and payment of freight and other charges. Now more than 99% of freight traffic is booked through TMS. E-payment system has been extended for 655 major customers. This constitutes about 75% of the total TMS traffic. Two more modules of FOIS viz. Control Office Application (COA) for Control Charting and Crew Management System for ensuring optimum utilization of running staff were also developed. CMS Software system was rolled out in December 2007. Upto 31.3.2013, about 352 crew booking points were commissioned.
2. In Passenger Reservation System (PRS), Countrywide Network of Computerized Enhanced Reservation and Ticketing (CONCERT), based on the state-of-the-art client server technology, has been installed at all the PRS locations. This provides facility for the passengers to book seats/berths on any train on IR from any location. PRS is booking reserved tickets for more than 3000 trains involving more than 1.6 million passenger transactions per day.
3. Unreserved Ticketing System (UTS) started as a pilot project at 23 stations in Delhi area of Northern Railway on 15th August 2002. As on 31.03.2013, this system was working at more than 5500 stations across Indian Railways. By the end of the year, on an average Rs.1300 crore was being earned monthly from UTS by providing tickets to over 60 crore passengers per month.
4. Integrated Coach Management System (ICMS) has been developed to help in improving operational efficiency in utilizing passenger coaches and to monitor & analyze punctuality.
5. Roll out of Parcel Management System (PMS) developed by CRIS has been initiated which includes upgradation of infrastructure at central site at CRIS and commissioning of 77 stations of 4 corridors.



6. E-procurement System has been implemented on all zones and 7 production units.
7. Indian Railway Web Portal has been launched wherein all 35 websites have been migrated. The information has been standardized with uniform look and feel and the dynamic functionalities made compliant with NIC guidelines.
8. Track Management System is under roll out on Indian Railways.

Some of the other important projects which are being developed by CRIS are Freight Maintenance Manager(FMM) & Software Aided Scheduling and Network governance (SATSaNG).

During the year 2012-13, the total expenditure incurred by CRIS was Rs.160.67 crore, which included Rs.22.04 crore on FOIS and remaining Rs.138.63 crore on PRS, UTS & other projects.

The accounts of CRIS for the year 2012-13 have been audited by the office of the Comptroller and Auditor General. There are no major adverse comments.

रेल मंत्रालय द्वारा वर्ष 2012-13 के लिए रेल सूचना प्रणाली केन्द्र (क्रिस) के निष्पादन की समीक्षा

रेल सूचना प्रणाली केन्द्र (क्रिस) की स्थापना 01.07.1986 को भारतीय रेल पर कम्प्यूटरीकरण (रेल सूचना प्रणाली) अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री के द्वारा की गई थी। क्रिस के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:-

- भारतीय रेलवे, इसके सहयोजित संचार तंत्र और सहयोजित उत्पादों के लिए कम्प्यूटर आधारित माल परिचालन सूचना प्रणाली (एस.ओ.आई.एस.) के अभिकल्प, विकास और कार्यान्वयन का कार्य करना।
- सूचना प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियों के परिचालन के लिए भारतीय रेल की अवसंरचना की स्थापना और अनुरक्षण सहित तकनीकी सहायता तथा अन्य सेवाओं की स्थापना तथा व्यवसाय करना।
- सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अन्य संगठनों को परामर्श और संविदात्मक सेवाएं प्रदान करना।

रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र (क्रिस), रेलवे व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं के लिए महत्वपूर्ण परियोजनाएं संभाल रहा है जैसे कि -

1. माल यातायात परिचालन सूचना प्रणाली (एफ.ओ.आई.एस.) इस परियोजना को दो मॉड्यूल अर्थात् रैक प्रबंधन प्रणाली (आर.एम.एस.) और टर्मिनल प्रबंधन प्रणाली (टी.एम.एस.) में बांटा गया है। आर.एम.एस. से जहां माल-गाड़ियों के चालन की निगरानी एवं परिचालन संबंधी जानकारी मिलती है, वहीं टी.एम.एस. से माल-भाड़ा एवं अन्य प्रभारों के परिकलन एवं संग्रह से संबंधी जानकारी मिलती है। अब 99% से अधिक माल यातायात टी.एम.एस. के माध्यम से बुक होता है। ई-पेमेंट सिस्टम 655 प्रमुख ग्राहकों के लिए कार्यान्वित किया गया है। यह कुल टी.एम.एस. यातायात का लगभग 75% हिस्सा है। एफ.ओ.आई.एस. के दो अन्य मॉड्यूल अर्थात् नियंत्रण-चार्टिंग के लिए नियंत्रण कार्यालय अनुप्रयोग (सीओए) और रनिंग कर्मचारियों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए क्रू प्रबंधन प्रणाली भी विकसित किए गए हैं। क्रू प्रबंधन प्रणाली दिसम्बर 2007 में शुरू की गई। 31.03.2013 तक 352 क्रू बुकिंग पॉइंट कमिशन किए गए हैं।
2. यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) में अत्याधुनिक क्लाउंट-सर्वर तकनीक पर आधारित कम्प्यूटरीकृत संवर्धन आरक्षण तथा टिकटिंग नेटवर्क सभी यात्री आरक्षण प्रणाली स्थानों पर स्थापित किया गया है। इससे रेल यात्रियों के लिए भारतीय रेल पर किसी भी गाड़ी में किसी भी स्थान से सीट/शायिकाएं बुक करने की सुविधा उपलब्ध है। इस प्रणाली द्वारा प्रतिदिन 1.6 मिलियन से अधिक यात्री-संव्यवहार करते हुए 3000 से अधिक गाड़ियों में आरक्षित बुकिंग की जा रही है।

3. 15 अगस्त 2002 को उत्तर रेलवे के दिल्ली क्षेत्र में 23 स्टेशनों पर एक पायलट परियोजना के रूप में अनारक्षित टिकट प्रणाली (यू.टी.एस.) शुरू की गई थी। यह प्रणाली 31.03.2013 को भारतीय रेल पर 5500 से अधिक स्टेशनों पर कार्य कर रही थी। वर्ष के अंत तक, प्रतिमाह औसतन, 60 करोड़ से अधिक यात्रियों को टिकट उपलब्ध करा कर अनारक्षित टिकट प्रणाली से 1300 करोड़ रुपए प्रति माह से अधिक का राजस्व अर्जित किया गया।
4. यात्री सवारी डिब्बों के उपयोग में परिचालन कुशलता के सुधार तथा समयपालन की निगरानी तथा विश्लेषण करने में मदद हेतु एकीकृत कोचिंग प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है।
5. रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र (क्रिस) द्वारा विकसित पार्सल प्रबंधन प्रणाली (पी.एम.एस.) के विस्तार को क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसमें रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र स्थित केन्द्रीय साइट की मूल-भूत सुविधाओं के विस्तार सहित, चार गलियारों के 77 स्टेशनों पर क्रियान्वयन सम्मिलित है।
6. ई-प्रापण प्रणाली को सभी क्षेत्रीय रेलवे, तथा 7 उत्पादन इकाइयों में क्रियान्वित कर दिया गया है।
7. भारतीय रेल के वेब पोर्टल शुरू कर दिया गया है और सभी 35 वेबसाइटों को स्थानांतरित कर दिया गया है। सूचना को एक समान लुक एवं फील से मानकीकृत किया गया है और एनआईसी दिशानिदेशों के अनुसार व्यवहारिक बनाया गया है।
8. भारतीय रेल पर रेलपथ प्रबंधन प्रणाली को विस्तारित किया जा है।

कुछ अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाएं जिन्हें रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र द्वारा शुरू की जा रही हैं, वे माल यातायात अनुरक्षण प्रबंधक (एफ.एम.एम.) और साफ्टवेयर एडेडे सेड्यूलिंग एण्ड नेटवर्क गवर्नेंस (एसएटीएसएनजी) हैं।

वर्ष 2012-13 के दौरान, रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र (क्रिस) द्वारा कुल 160.67 करोड़ रुपए व्यय किया गया जिसमें 22.04 करोड़ रु. एफ.ओ.आई.एस. और शेष 138.63 करोड़ रु. पी.आर.एस., यू.टी.एस. और अन्य परियोजनाओं से संबंधित था।

वर्ष 2012-13 के लिए क्रिस के लेखों की नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय द्वारा लेखा परीक्षा की जा चुकी है। इसमें कोई प्रमुख प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की गई है।

अधिप्रमाणित
AUTHENTICATED

(11)

**Statement giving reasons for delay in laying of the
 Annual report and Audited Accounts of the
 Centre for Railway Information Systems for the year 2012-13**

The Annual Accounts and the Receipts and Payments Account of CRIS for the year 2012-13 were closed and made available to the Principal Director of Audit, Northern Railway on 17.05.2013. Audit of Accounts commenced on 27.05.2013 and completed on 26.07.2013. Draft Audit Reports were issued to CRIS on 13.09.2013. Replies were sent to Audit on 27.09.2013. The Audit Certificate dated 22.11.2013 was received on 25.11.2013. The Audited accounts along with the Annual Report for the year 2012-13 was approved by the Executive Committee through circulation of papers on 18.12.2013 and by Governing Council of CRIS through circulation of papers on 22.01.2014.

Accordingly, the Annual Report and Audited Accounts of CRIS for the year 2012-13 is being placed on the Table of both the Houses of Parliament during the ensuing Session.

अधिप्रमाणित

(143)

(अधीर रंजन चौधरी)
रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री
और लेखा-

रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र की वर्ष 2012-13 की वार्षिक रिपोर्ट
परीक्षित लेखे के प्रस्तुतीकरण में विलम्ब के कारणों का विवरण

रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र के वर्ष 2012-13 के वार्षिक लेखे और प्रप्ति एवं भुगतान लेखे बन्द कर के प्रधान निदेशक/लेखा-परीक्षा, उत्तर रेलवे को 17.05.2013 को उपलब्ध करा दिये गये थे । 27.05.2013 को लेखा परीक्षा शुरू की गयी और 26.07.2013 को पूरी हो गयी । लेखा-परीक्षा टिप्पणियां क्रिस को 13.09.2013 को जारी की गयी । 27.09.2013 को लेखा-परीक्षा को उत्तर भेज दिये गये । दिनांक 22.11.2013 का लेखा-परीक्षा प्रमाण-पत्र 25.11.2013 को प्राप्त हुआ था । वर्ष 2012-13 की वार्षिक रिपोर्ट के साथ-साथ लेखा-परीक्षित लेखे कार्यकारिणी समिती द्वारा दस्तवेजों के संचलन के माध्यम से 18.12.2013 को अनुमोदित किये गये तथा क्रिस की गवर्निंग काउंसिल द्वारा दस्तवेजों के संचलन के माध्यम से 22.01.2014 को अनुमोदित किये गये ।

तदनुसार, आगामी सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों के पटल पर वर्ष 2012-13 से संबंधित क्रिस की वार्षिक रिपोर्ट और लेखा-परीक्षित लेखे प्रस्तुत किये जा रहे हैं ।
